



लालची कौआ और समझदार चिड़िया

कहानी का सारांश

एक समय की बात है, एक लालची कौआ था जो हमेशा किसी न किसी चीज़ की तलाश में रहता था। एक दिन, उसे एक बगीचे में एक बर्तन दिखाई दिया। कौआ ने बर्तन के अंदर देखा और पाया कि उसमें कुछ स्वादिष्ट फल थे। वह बहुत खुश हुआ और सोचने लगा कि कैसे वह इन फलों को अपने लिए ले सकता है।

लालच का परिणाम

कौआ ने बर्तन को अपने पैरों से पकड़ने की कोशिश की लेकिन बर्तन बहुत भारी था। उसने सोचा, "अगर मैं थोड़ा पानी डाल दूँ, तो फल ऊपर आ जाएंगे।" उसने बर्तन में पानी डालना शुरू किया, लेकिन वह अपने लालच में इतना खो गया कि उसने ध्यान नहीं दिया कि वह कितना पानी डाल रहा है।

समझदारी का परिचय

इस बीच, एक समझदार चिड़िया वहाँ आई और कौआ को देखकर बोली, "कौआ भाई, तुम इतना पानी क्यों डाल रहे हो? क्या तुम जानते हो कि इससे तुम्हें क्या लाभ होगा?" कौआ ने arrogantly कहा, "मैं जानता हूँ, मैं इन फलों को पाने के लिए यह कर रहा हूँ।" लेकिन जैसे-जैसे उसने और पानी डाला, बर्तन का पानी भरता गया और फल डूबते गए।





सीखने की घड़ी

चिड़िया ने कौआ को समझाया, "कौआ, तुम्हारी लालच तुम्हारी मुसीबत बन गई है। अगर तुम थोड़ा धैर्य रखते और फलों को अपने तरीके से लेते, तो तुम्हें सफलता मिलती।" कौआ ने अपने गलती को समझा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

अंत

आखिरकार, कौआ ने अपनी लालच के कारण फल नहीं पाए। चिड़िया ने उसे यह सिखाया कि कभी-कभी संयम और समझदारी ही सबसे अच्छे रास्ते होते हैं। उस दिन से, कौआ ने अपनी लालच पर काबू पाने का प्रण लिया और जीवन में समझदारी से आगे बढ़ने का निर्णय लिया। **शिक्षा:** इस कहानी से हमें

यह सीखने को मिलता है कि लालच इंसान को नुकसान पहुँचा सकता है, और समझदारी से ही हम सही निर्णय ले सकते हैं।